No. of Printed Pages : **2**

GN-089

100155

III Semester B.A./B.S.W. Examination, December - 2019
(CBCS) (Freshers) (2019-20 and Onwards)

LANGUAGE HINDI - III

Natak, Sahithyakaron Ka Parichay Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्यांश में लिखिए : **10x1=10**

1. उमा किसकी पत्नी है?
2. इम्पीरियल होटल में किसका कमरा बुक रहता था?
3. सिगरेट कम्पनी केस की प्रारम्भिक जाँच का जिम्मा किसे सौंपा गया ?
4. 'न्याय की रात' नाटक के लेखक कौन हैं?
5. हेमन्त का सामान किस स्टेशन पर उतार दिया गया था?
6. सदानंद जुगल किशोर की जगह किसे नियुक्त करना चाहते थे?
7. हेमन्त सेक्रेटरी पद के लिए कमला को कुल कितने रुपये देता है?
8. हमारा देश किस बड़ी बीमारी का शिकार है?
9. यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा किसे चुना गया?
10. कमला को हेमन्त के पास किसने भेजा था?

II. **किन्हीं दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **2x7=14**

1. मैं अब किसी बात से बुरा नहीं मानता। पर यह भी सच है कि जब मैंने अपना जीवन प्रारम्भ किया था, मैंने निश्चय किया था कि मैं कभी न रिश्वत दूँगा और न बेईमानी से रुपया बनाऊँगा।

2. यही कि अब किसी भी जगह वह पुरानी बात नहीं रही है। सब जगह खुशामद, पक्षपात और तिकड़मबाजी का दौर-दौरा है। योग्यों की कोई कदर नहीं करता, तिकड़मबाज अत्यन्त अयोग्य होते हुए भी तरक्की पाते चले जाते हैं।

3. प्रकृति भी कभी-कभी कितना मजाक करती है। कभी यही रहस्य जानना मेरे जीवन की सबसे बड़ी साध बन गई थी और आज वह रहस्य एकाएक ऐसे समय में खुल गया है, जब मेरे लिए उसका अधिक महत्व ही नहीं रहा।

P.T.O.

III. 'न्याय की रात' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **1x16=16**

अथवा

'न्याय की रात' नाटक के आधार पर हेमन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

IV. **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : **2x5=10**

1. कमला।
2. सदानंद।
3. राजीव।

V. **किसी एक** साहित्यकार का परिचय लिखिए : **1x10=10**

1. विद्यापति।
2. प्रेमचन्द।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए : **1x10=10**

सांस्कृतिक एकता की स्थापना में भारत के धर्मों एवं समुदायों का महत्वपूर्ण योगदान है। अन्य देशों के धर्मों में जो असहिष्णुता देखी जाती है, वह उनमें छू तक नहीं गई है। भारत के किसी धर्म या जाति को बल प्रयोग से मिटाने की कल्पना तक नहीं हुई। यहाँ आनेवाली प्रत्येक जाति का अस्तित्व बना है। प्रत्येक जाति को अपने-अपने विश्वास के अनुसार इस विश्व के सृष्टा को देखने, समझने तथा मानने, कहने की स्वतंत्रता सदैव रही है। इसी धार्मिक सहिष्णुता के कारण यहाँ का साधारण किसान-मजदूर तक यह समझता है कि उपासना के सभी मार्ग अंत में एक ही ईश्वर के समीप पहुँचते हैं। इसी से ऊपर से अलग-अलग प्रतीत हो रहे पंथों के होते हुए भी भारत के सामान्य धार्मिक जीवन में आज भी प्राचीन काल से कोई परिवर्तन नहीं दिखाई पड़ता। इसी सहिष्णुता के फलस्वरूप यहाँ के निवासी एक-दूसरे के विचारों को समझने के लिए प्रयत्नशील रहे। उन्होंने निरन्तर एक-दूसरे से बहुत कुछ लिया-दिया। इसी ने इस विशाल देश को एक राष्ट्र का रूप प्रदान किया। आज देश को इसी समन्वय की ओर प्रवृत्त करने वाली सहिष्णुता की सबसे अधिक आवश्यकता है, जिससे प्रदेश, भाषा और जाति के भेदों के कारण उत्पन्न हो रहे अलगाव के भाव दबायें जा सकें और देश की राष्ट्रीयता और एकता अखण्ड रहे।

-oOo-